नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणाप्रतापस्नातकोत्तरमहाविद्यालय

जंगल धूसड़-गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : ..... दिनांक : 03.02.2018

प्रकाशनार्थ

आज समाज की कोख खराब हो गई है। हर व्यक्ति पैसे के पीछे भागा जा रहा है। लोग अपनी भाषा से प्रेम नहीं कर रहे मूल संस्कृति विसरित होती जा रही है। लोग अपनी भाषा को पढ़ना नही चाह रहे है। इसका कारण यह है कि इस भाषा के बल पर वे रोजगार प्राप्त नहीं कर सकते है विडम्बना यह है कि आज जो बच्चे अंग्रेजी के माध्यम से पढ़ रहे है उन बच्चो में अपने राष्ट्र के प्रति प्रेम और राष्ट्रीय भावना का विकास नहीं हो पा रहा है शिक्षकों को भय है कि यदि बच्चा भाषा समझने लगेगा तो वह प्रश्न करेगा। इन प्रश्नों का समुचित उत्तर उनके पास नही होता ऐसे में इस कारण वे अंग्रेजी शिक्षा के द्वारा नई पौध को अपने राष्ट्रीय ज्ञान से वंचित कर दिग्भ्रमित कर रहे है। उपर्युक्त बातें तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ0 आद्या प्रसाद द्विवेदी ने कही कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ0 कन्हैया सिंह ने कहा कि 1963 में हुए संविधान संशोधन कर अंग्रेजी भाषा को अन्नत काल तक के लिए सशक्त कर दिया गया। इस संशोधन के अनुसार जबतक एक भी राज्य यह कहेगा कि राज्य भाषा अंग्रेजी होनी चाहिए तबतक अंग्रेजी भाषा चलती रहेगी। इस प्रकार अंग्रेजी अनन्त काल के लिए सशक्त हो गया।

राष्ट्रीय कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित प्रो0 अनन्त कुमार मिश्र ने कहा कि भाषा का उल्लेख एतरेय उपनिषद् में प्राप्त होता है हिन्दी अर्वाचीन भाषाओं मे से एक है परन्तु आज यह अपना भविष्य तलाश रही है। वास्तविकता यह है कि हिन्दी की यह गति हिन्दी भाषा बोलने वालो ंके कारण हुई है। प्रथम और द्वितीय सत्रों में लगभग 35 शोध छात्रों ने अपने प्रपत्र प्रस्तुत किये।

प्रकाश

डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी